डॉक्टर जीज़स

यीशु की कृपा ने मुझे चंगा किया

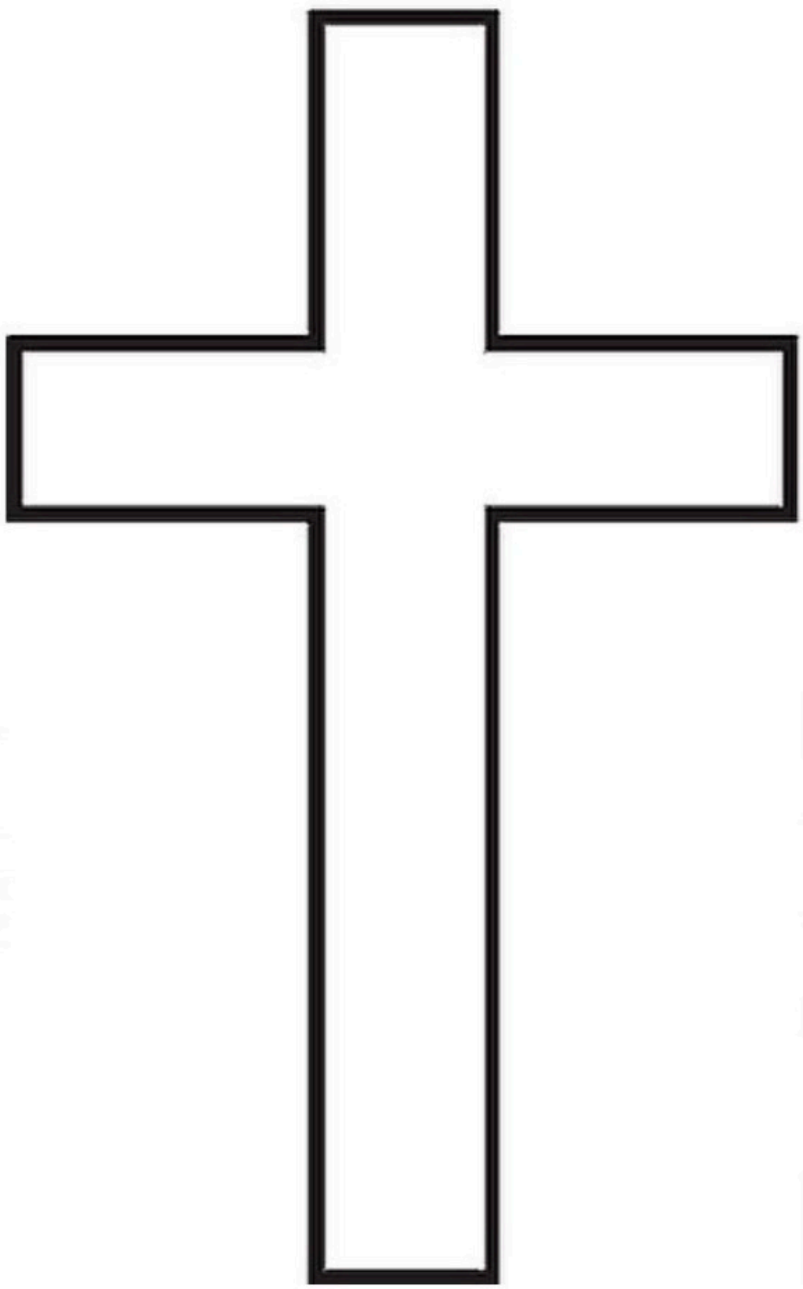

www.doctorjesus.org

मत्ती ईसोपदेश 4 : 23 - 24

यीशु सारे गलील में घूमते हुए प्रार्थना सभाओं में उपदेश देते हैं, राज्य के ईसापदेशों को प्रकट करते हुए तथा लोगों की हर प्रकार की बीमारियों और दुर्बलताओं को दूर करते रहे। विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त तथा एक या अन्य प्रकार की दुखदाई फ़रियाद वाले लोग उनके पास लाए गए और उन्होंने उनको ठीक कर दिया।

"हिल्ड ऑफ़ कैंसर" (कैंसर से रोगमुक्त) डोडी ऑस्टिन द्वारा लिखित पुस्तक बताती है के किस प्रकार डोडी को सन् 1981 में यकृत अंतिम चरण का कैंसर होने के कारण उन्हें जीवित रहने के लिए 3 सप्ताहों का समय दिया गया था। तब वह और उनके पति, दोनों पादरी, ने प्रार्थना में बाइबिल के 40 विशेष वाक्यों का प्रयोग करके कैंसर को दूर किया। यह कैंसर से लड़ रहे हर व्यक्ति के लिए एक प्रेरणादायक पुस्तक है।

www.amazon.com पर उपलब्ध है।

पिछले 5 वर्षों से मैं अपने दाहिने हाथ को कंधे की ऊंचाई तक नहीं उठा और घुमा नहीं सकता था। तब मैंने ईसा मसीह से सहायता के लिए प्रार्थना की, अब मैं अपने हाथ को हवा में घुमा सकता हूँ! -
हांग कांग के सुधार गृह के सहवासी, दिसंबर 2011

हांग कांग के एक सुधार गृह में जुलाई 2011 को,
मुझे कहा गया कि जो बच्चा मेरे गर्भ में है वह जन्म लेने पर "बहुत बीमार" होगा। तब मैं और मेरे दोस्तों ने मिलकर यीशु मसीह से प्रार्थना की। नवंबर 2011 में, डॉक्टर ने कहा "बच्चा ठीक है।" फरवरी 2012 में मेरी स्वस्थ बेटी का जन्म हुआ!

मत्ती ईसोपदेश 8 : 5 - 13

एक प्रमुख सैनिक यीशु के पास आकर उनसे विनती किया कि हे प्रभु, मेरा सेवक घर में लकवे का मारा बहुत दुखी पड़ा है और बहुत पीड़ा में है।

“मैं खुद आऊंगा और उसे ठीक करूंगा,”
यीशु बोले। सैनिक ने उत्तर दिया

“प्रभु, मैं इस योग्य नहीं कि आपको मेरे घर आना पड़े। बस अपने मुख से कुछ शब्द कह दें तो मेरा सेवक चंगा हो जाएगा।”

यीशु ने सैनिक से कहा, “फिर तुम घर जाओ। तुमने भरोसा किया इसलिए तुम्हारे लिए ऐसा ही हो।”
और सेवक उसी समय ठीक हो गया।

यीशु, कृपया मुझे सीखाएँ कि रोगमुक्त होने के लिए आपकी प्रार्थना कैसे करते हैं।

1 दिसंबर 2011 : हांग कांग सुधार-गृह के अस्पताल अनुभाग में हूनान प्रांत के मुख्य भाग के एक निवासी से डॉक्टर ने कहा "आपका यकृत खराब है, आपको उसके प्रत्यारोपण की जरूरत है"

9 जनवरी 2012 : क्वीन एलिज़ाबेथ और प्रिंसेस मार्ग्रेट अस्पताल के डाक्टरों ने भी वही कहा : आपको यकृत प्रत्यारोपण की जरूरत है। "जब आप मुख्य भूमि पर वापस जाएँ तो इसका प्रबंध करें"

12 जनवरी 2012 : वह निवासी सुधार-गृह के अस्पताल में लौट आया...वहाँ 27 जनवरी के दोपहर में उसने "डॉक्टर यीशु" पुस्तक प्राप्त की। उस रात उसने यीशु से सहायता की प्रार्थना की। उस रात उसका दर्द चला गया। उसी अस्पताल में आगे की कुछ परीक्षणों के बाद, डॉक्टर ने उससे कहा "सब कुछ सही है, आपका यकृत ठीक है!"

.....

एक और निवासी उसी सुधार गृह के उसी अस्पताल विभाग में था। सन् 2006 में, हिरासत से पहले, उसका एक ऑपरेशन हुआ था जिसमें उसके गुर्दों से 30 से भी अधिक पथरियों को निकाला गया था। सन् 2007 में उसने सुधार गृह में प्रवेश किया। सन् 2011 में उनके गुर्दा की समस्या वापस लौट आई। नवंबर 2011 में एक्स-रे परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने उनसे कहा कि उनके गुर्दे में एक नई पथरी पाई गई है.....और उसे एक और ऑपरेशन की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यीशु से सहायता मांगी। उसके बाद वह बेहतर सहसूस करने लगे। बाद में एक्स-रे परीक्षण से यह पता चला कि उनके गुर्दो से पथरी निकल गई, और डॉक्टरों ने कहा "ऑपरेशन की कोई आवश्यकता नहीं है!"

मत्ती ईसोपदेश 8 : 1 - 3

एक कोढ़ी यीशु के पास आया और उनके सामने झुक गया। उसने कहा "महोदय, अगर आप चाहें, तो आप मुझे ठीक कर सकते हैं।" यीशु ने हाथ बढ़ाकर उसे छुआ और कहा "निश्चय ही मैं तुम्हें ठीक करना चाहता हूँ! ठीक हो जाओ!" और तुरंत ही उसका कोढ़ ठीक हो गया।

जिसने भी उनसे उपचार की मांग की यीशु ने कभी किसी को "ना" नही कहा। जिसने भी उनसे उपचार की मांग की उन्होंने उसे ठीक कर दिया। जिसका मतलब यह है कि वह मुझे अच्छा करना चाहते थे।

एक बार भी यीशु ने यह नहीं कहा था "यह रोग तुम्हारा क्रूस है और इसे तुम्हें बहादुरी के साथ उठाना ही है।" बल्कि, यीशु ने जैसे माता पिता अपने बच्चों मे किसी रोग को मानते हैं वैसे ही रोग को माना : जल्दी से जल्दी कुछ तो उस पर काबू पाएं, कुछ तो उपचार हो। क्या कोई माता पिता कभी भी चाहेगें के उनके बच्चे बीमार हों? हमलोग एक बड़ी गलती करेंगे अगर हम यह सोचते है कि परमेश्वर कभी भी यह चाहता की कोई भी बीमार हो। परमेश्वर, एक अच्छे माता पिता की तरह होते हैं, जो अपने बच्चे को हमेशा स्वस्थ देखना चाहते है!

मत्ती ईसोपदेश 8 : 14 - 15

यीशु अपने मित्र पतरस के घर गए।
पतरस की सास ज्वर से पीड़ित थी।
यीशु ने उसका हाथ छुआ और उसका ज्वर उतर गया।
वह उठ खडी हुई और वह यीशु को जल-पान देने लगी।

हाँग काँग सुधार गृह में एक निवासी के छाती में एक बड़ा दर्द था। 30 नवंबर 2011 मे उसी केन्द्र के अस्पताल में एक्स-किरणों के परीक्षण में दिखा की उस व्यक्ति के बाएँ फेफड़े में छेद है। उस व्यक्ति का स्थानांतरण क्वीन एलिज़ाबेथ अस्पताल में किया गया जहां उस व्यक्ति ने 8 दिसंबर को यीशु से अच्छा करने के लिए प्रार्थना। उसी रात वह दर्द रूक गया। दिसंबर 15, को एक्स-किरणों के परीक्षण के बाद क्वीन एलिज़ाबेथ के डॉक्टर ने कहा

"वह छेद चला गया.....और आप भी जा सकते हैं!"

मत्ती ईसोपदेश 8 : 16 - 17

एक शाम लोग कई बीमार व्यक्तियों को यीशु के पास लाए। उन्होंने सबको ठीक कर दिया। यह भविष्यवाणी यशायाह ने यीशु के जन्म के बहुत पहले ही कर दी थी : "उसने हमारी दुर्बलताओं को दूर कर दिया।"

दिसंबर 4, 2011 : हाँग काँग के बन्दीगृह के प्रार्थना सभा में, 30 महिलाओं के एक समूह में किसी के लिए कहा कि उस दूसरे कैदी के लिए प्रार्थना करें जो उस सभा में उपस्थित नहीं हो पायी है। उस कैदी को कुछ समय से बहुत ही गंभीर पीठ का दर्द था जिसके कारण ना ही वह खड़ी हो पा रही थी और ना ही चल पा रही थी। तब उन महिलाओं के समूह ने उस कैदी के लिए प्रार्थना किया और उसके लिए "डॉक्टर जीज़स" नामक पुस्तक भी लायी। यीशु से प्रार्थना और पुस्तक प्राप्त करने के कुछ ही दिन बाद, वह ठीक थी। वह खड़ी हो पा रही थी। वह चल पा रही थी।

यीशु, कृपया मेरी बीमारी दूर करें।
कृपया मेरी पीठ दर्द दूर करें।
कृपया मेरी कैंसर दूर करें।

मत्ती ईसोपदेश 9 : 2 - 8

कुछ लोग खाट पर, एक लकवा ग्रस्त व्यक्ति को लेकर यीशु के पास आए। उनके विश्वास को देखकर, यीशु ने लकवे से ग्रस्त व्यक्ति से कहा "साहस कर.....उठ जा, अपनी खाट उठाओ और घर जाओ।" और बीमार व्यक्ति खड़ा हो गया और घर चला गया। जब सबने यह देखा तो यीशु के काम के लिए ईश्वर को धन्यवाद देने लगे।

5 फरवरी 2012 : एक द्वीप के सुधार गृह का एक निवासी खून की उल्टियाँ कर रहा था। उसे क्वीन एलिज़ाबेथ अस्पताल में हेलिकॉप्टर से पहुँचाया गया। एक्स रे में उसके पेट में छेद दिखाई पड़ा। 5 दिन के अस्पताल के उपचार से केवल थोड़ी राहत मिली। वह अपने पेट के दर्द के कारण रात में सो नहीं सका। 10 फरवरी : को "ड़ॉक्टर जीज़स" प्राप्त करने के बाद उसने यीशु से सहायता की प्रार्थना की। उस रात वह कम दर्द के साथ, ठीक से सोया। 11 फरवरी : कोई दर्द नहीं। 12 फरवरी : डॉक्टर ने कहा "घर जाओ।"

मत्ती ईसोपदेश 9 : 18 - 25

एक धार्मिक अधिकारी यीशु के पास आया और उसने कहा "मेरी पुत्री का अभी देहांत हुआ है; परन्तु चलकर अपना हाथ उस पर रख दें, तो वह जीवित हो जाएगी।" यीशु और उनके अनुयायी उस आदमी के घर की तरफ चल पड़े।

रास्ते में, एक स्त्री जिसे के 12वर्ष से रक्तस्राव होता था, उसने पीछे से आकर उनके लबादे के किनारी को छू लिया। क्योंकि वह अपने मन में कहती थी "कि यदि मैं उनके वस्त्र को ही छू सकी, तो मैं अच्छी हो जाऊंगी।" यीशु ने उसे देखा, और उससे से कहा "हौसला रखो, तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा किया है।" और उसी क्षण अच्छी हो गई।

जब यीशु उस अधिकारी के घर पहुंचे और बांसुरी बजानेवालों और शोक मनाने वाले लोगों से कहा, "यहाँ से हट जाओ; यह छोटी लड़की मरी नहीं है, गेसो रही है।" शोक मनाने वाले उन पर हंसने लगे। परन्तु जब शोकाकुल लोग घर से बाहर चले गए, तो उस ने भीतर जाकर लड़की का हाथ पकड़ा, और वह उठ खड़ी हुई।

एग्नेस सैनफोर्ड द्वारा रचित "द हीलिंग लाइट" के पृष्ठ 48 की यह कहानी, 1940 के अमेरिका की है।

एक युवक अस्पताल में भयंकर रूप से बीमार था। उनकी मौसी उनके बिस्तर के पास थी।
एक शाम उन्होंने एगनेस और मित्रो के एक समूह से अपने भांजे के लिए प्रार्थना करने को कहा।
उन्होंने उसके लिए प्रार्थना का समय रात्रि 9:30 में तय किया, और उसकी मौसी से कहा कि ठीक 9:30 बजे रात को उस पर हाथ रखे.....और प्रभु के उपचारपूर्ण जीवन चैनल की तरह कार्य करें।
रात 9:45 में उस युवक ने कहा "लुसी मौसी, मेरे साथ क्या हो रहा है? अचानक मैं बेहतर महसूस कर रहा हूँ। मुझे और तकलीफ नहीं हो रही है।"
अस्पताल में उसे परीक्षण के लिए एक और दिन रखा गया.....परीक्षणों से कुछ नहीं निकला.....पूरी तरह स्वस्थ होने के कारण, वह अपने कपड़े को पहनकर घर चला गया। यह घटना बाल्टीमोर अस्पताल में दर्ज है। डॉक्टर ने कहा "यह एक चमत्कार है।"

प्रिय यीशु,
कृपया मुझे बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करना सिखाएं।

मत्ती ईसोपदेश 9 : 27 - 33

जब यीशु वहां से आगे बढ़ा, तो दो अन्धे उसके पीछे यह पुकारते हुए चले, कि "हे दाऊद की सन्तान, हम पर दया कर।" यीशु ने उन से कहा "क्या तुम्हें विश्वास है, कि मैं यह कर सकता हूँ?"

उन्होंने कहा, "महोदय, हम विश्वास करते हैं।"

तब उस ने उन की आखें छूकर कहा, "तुम्हारा विश्वास इसका पात्र है, इसलिए ऐसा तुमलोगों के लिए करने दिया जाए।" और उन की आंखे खुल गई वे लोग बस गए ही थे कि एक गूंगा भूतग्रस्त व्यक्ति यीशु के पास लाया गया। यीशु ने शैतान को बाहर निकाल दिया और गूंगा व्यक्ति बोलने लगा।

अत्यधिक अनुशंसित (www.amazon.com देखें) :

एफ़. मैकनट : *हिलिंग; द हिलिंग रिअवेकेनिंग*

ए. सैनफोर्ड : *सिल्ड ऑडर; द हिलिंग लाइट*

ई. टारडिफ : *जीजस इज़ द मसायाह*

जे. गिरज़ोन : *जोशुआ*

लोगों के ठीक न होने के 11 कारण?

(एफ. मैक्नट द्वारा *हिलींग* में बताया गया है)

1) विश्वास की कमी।
2) कष्ट से मुक्ति के बारे में भ्रमित विश्वास।
3) कष्ट जुड़ी झूठी प्रतिष्ठा।
4) पाप अभी तक मुक्ति न मिली।
5) विशेष रूप से प्रार्थना ना करना।
6) दोषयुक्त रोग-निदान।
7) दवा को परमेश्वर के उपचार के तरीके के रूप में अस्वीकृत करना।
8) सेहत के बचाव के लिए प्राकृतिक तरीका ना अपनाना।
9) अभी समय नहीं आया है।
10) उपचार के लिए कोई और साधन बनेगा।
11) संबंध का मुद्दा अब तक हल ना हुआ हो।

यीशु अगर मेरे उपचार की प्रार्थना काम नहीं कर रही है, क्यों नहीं रही है कृपया जानने मेरी तहायता करें .....और अगर मैं इसके लिए कुछ कर सकूँ, तो कृपया मेरी सहायता

मत्ती ईसोपदेश 9 : 35

यीशु ने कई नगरों और गाँवों में यात्रा की, उनके सभाओं में उपदेश देते रहे, राज्य के ईसोपदेश को प्रचारित करते रहे और सभी प्रकार की बीमारियों और दुर्बलताओं को दूर करते रहे।

प्रश्न : अगर परमेश्वर मुझे स्वस्थ बनाना चाहते हैं, बीमार नहीं, तो वे मुझे बीमार होने क्यों देते हैं?

उत्तर : मेरे माता-पिता मुझे स्वस्थ बनाना चाहते हैं, बीमार नहीं, लेकिन अगर मैं अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखता हूँ, और बीमार पड़ जाता हूँ, तो बीमारी मेरे माता-पिता की गलती नहीं है।

प्रश्न : उन बच्चों का क्या जो बीमार जन्म लेते हैं?

उत्तर : परमेश्वर ने सभी कुछ नए कंप्यूटर की तरह, अच्छा बनाया है। परंतु हमारा हार्ड ड्राइव शैतान के द्वारा वायरस से दूषित हो गया था, आदम और हव्वा के "गिरने" के हमारे वंश वृक्ष की पृष्ठभूमि और, अपने स्वयं की लापरवाही के कारण है। केवल एन्टी वायरस हमें ठीक कर सकता है : J-E-S-U-S (यीशु)

मत्ती ईसोपदेश 12 : 10 - 14

एक बार यीशु सभा में थे, तो उन्होंने एक सूखे हाथ वाले व्यक्ति को देखा। उन्होंने व्यक्ति से कहा "अपने हाथों को फैलाओ।" उसने हाथ फैलाया और उसका हाथ दूसरे हाथ की तरह, बेहतर हो गया।

राज्यपाल के पिता ज्वर और दस्त के कारण बिस्तर पर बीमार पड़े थे। जब पौलुस ने उस पर हाथ पर लिटा कर प्रार्थना की तो वह अच्छे हो गए। उपचार की बातें बहुत तेजी से फैलीं, और जल्द ही हर एक जन जो उस द्वीप में बीमार थे वह आये और अच्छे हो गए। (प्रेरितों के काम 28)

यदि तुम में कोई रोगी हो, तो उन्हें गिरजाघरों के अनुभवी व्यक्तियों के पास भेजा जाना चाहिए, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिये प्रार्थना करें। और विश्वास से की गई प्रार्थना से रोगी बच जाएगा (याकूब 5 : 14 - 15)

मत्ती ईसोपदेश 14 : 34 - 36

यीशु गन्नेसरत की भूमि पहुंचें। जब स्थानीय लोगों ने पहचाना, उन्होंने पूरे इलाके में यह समाचार फैला दिया और सभी बीमार लोगों को लेकर उनके पास आने लगे, और उनसे विनती करने लगे कि वे उन्हें बस उनके वस्त्र के किनारों को छुने दें। और जिनलोगों ने उसे छुआ वह ठीक हो गए।

14 फरवरी 2012 : एक निवासी ने अपनी माता के लिए प्रार्थना करने को कहा। माँ का हृदय वॉल्व अवरुद्ध था, चूंकि कल के ऑपरेशन के लिए, आज अस्पताल में दाखिल हुई। निवासी को "डॉक्टर जीज़स" दिया और प्रार्थना करने के लिए उत्साहित किया "यीशु, कृपया मेरे माता की सहायता करें।" निवासी को पहले कभी प्रार्थना का अनुभव नहीं था, परंतु उस रात, 14 फरवरी, और अगले दिन, उसने अपनी माँ के लिए उत्साह से प्रार्थना की। 16 फरवरी निवासी को अपनी बहन से समाचार मिला "माँ ठीक हैं। उन्हें ऑपरेशन की जरूरत नहीं है। वे घर वापस आ गई हैं और अच्छी हैं।"

मत्ती ईसोपदेश 18 : 19 - 20

यीशु ने अपने अनुयायियों से कहा
"मैं सर्वाधिक सत्यनिष्ठा से कहता हूँ :
अगर इस पृथ्वी पर आप दोनों
कुछ भी मांगने के लिए सहमत
हैं, तो मेरे पिता द्वारा जो स्वर्ग
में हैं प्रदान कर दी जाएंगी।
जहाँ भी दो या तीन लोग मेरे नाम पर
एकत्र होते हैं वहाँ मैं उनके साथ हो जाउंगा।"

एक दोपहर लगभग 3 बजे, पतरस और यूहन्ना प्रार्थना के लिए मन्दिर गए। एक भिखारी ने पैसे मांगे। वह जन्म से ही लंगड़ा था।।
पतरस ने उससे कहा "मेरे पास चांदी या सोना नहीं है लेकिन मैं तुम्हें कुछ देना चाहता हूँ :
ईसा मसीह नासरी के नाम पर, उठ जा और चल!"

पतरस ने उसके हाथ को पकड़ा और उसे खड़े होने में उसकी सहायता की तुंरत ही उसके पैर और टखनों में शक्ति आ गई और वह चल सका। वह इतना खुश हुआ कि चारो तरफ कूदने लगा। वह मंदिर में गया, और परमेश्वर की स्तुति की। (प्रेरितों के काम : 3)

मत्ती ईसोपदेश 15 : 21 - 28

जब यीशु सूर और सौदा क्षेत्र के समीप गए, तो कनानी महिला चिल्लाकर कहने लगी "महोदय, प्रभु दाउद के पुत्र, मुझ पर दया कीजिए। मेरी पुत्री दुष्टात्मा द्वारा उत्पीड़ित की जा रही है।" उसके बाद महिला यीशु के पैरों पर घुटनों के बल बैठ गई और विनती करने लगी "प्रभु, मेरी सहायता जिए।" यीशु ने महिला से कहा "औरत तुम्हारा विश्वास बहुत मजबूत है, तुम्हारी इच्छा पूरी होनी है" और उसी के बाद उसकी पुत्री पहले की तरह ठीक हो गई।

हमेशा नहीं, परन्तु लगभग हमेशा, जब यीशु लोगों का उपचार करते थे, तो वह एक विश्वास से की गई प्रार्थना का उत्तर देते थे। अगर मेरा विश्वास मजबूत है, यीशु मेरी और सहायता कर पाएगें। बिलकुल वैसा जैसे कोई तैरना सीख रहा हो : जितना ज्यादा भरोसा और विश्वास उसे अपने उपदेशक पर होगा, उतना ही शीघ्र और बेहतर वह तैरना सीखेंगा। दूसरी तरफ विश्वास/भरोसा नहीं, तैरना नहीं।

यीशु कृपया मेरे विश्वास को बढ़ा!

मत्ती ईसोपदेश 15 : 29 - 31

गलील झील के किनारे, यीशु एक पहाड़ के किनारे बैठ गए। बहुत भारी भीड़ लंगड़ों, विकलांगों, अंधों, गूंगों और भी बहुत से दूसरों को लेकर आए। उन्होंने उन्हें उनके चरणों के समीप बैठा दिया, और उन्होंने सभी को ठीक कर दिया। भीड़ यह देखकर आश्चर्यचकित हो गई कि गूंगे बोलने लगे, अपंग फिर से पूर्ण हो गए, लंगड़े चलने लगे और अंधे देखने लगे। सबने ईश्वर का धन्यवाद किया।

सैम ने नशीली दवाओं का सेवन तब से शुरु किया जब वह 14 वर्ष का था। छह बार उसे नशीली दवाओं के उपचार केंद्र में रखा गया जब भी उसे मुक्त किया गया गया उसे "वापस" बुला लिया गया। तब उसने यीशु से सहायता के लिए प्रार्थना की "यीशु, कृपया मेरी सहायता करें!" और वह एक गिरजाघर में जाने लगा। तब से, और कोई "वापसी" नहीं हुई। जैकी पुल्लिंगर द्वारा रचित "चेज़िंग द ड्रैगन" में सैम की बहुत सारी कहानियों को बताते हैं। नशीली दवाएँ शैतान का चुंबक है। केवल यीशु ही हमें शैतान के चुंबकीय प्रभाव से बचा सकते हैं।

समर्थक मंदिर क्षेत्र में मिले। इसलिए कई चमत्कार होते रहे। बीमार व्यक्ति सड़क के किनारे खाट पर इस आशा में लेटे थे, कि पतरस अगर वहाँ से गुजरें तो उनकी छाया उन पर पड़ सके। यरुशलेम से समीप के शहरों से लोग, अपने साथ बीमार व्यक्तियों को लेकर आए, और वे सभी ठीक हो गए। (प्रेरितों के काम 5)

फिलिप समेरिया में जाकर यीशु का प्रचार करने लगा। चमत्कार के कारण समेरियन लोगों ने फिलिप के संदेश का स्वागत किया। कई अशुद्ध आत्माएं कई भूतग्रस्त लोगों से निकल गई, और कई विकलांग व्यक्ति ठीक हो गए। ऐसे चमत्कारों के कारण उस शहर में हर्षोल्लास छा गया। (प्रेरितों के काम 8)

पतरस कई क्षेत्रों के गिरजाघर में गए। लुद्दा में, उन्होंने 8 वर्षों से बिस्तर पर पड़े एनियास नाम के व्यक्ति को देखा, पतरस ने उससे कहा "एनियास, ईसा मसीह तुम्हारा कल्याण करेंगे। उठ जाओ और अपने बिस्तर को लपेट लो।" एनियास तत्काल उठ खड़ा हुआ। उस क्षेत्र के जिन लोगों ने देखा उनका विश्वास ईश्वर की हो गया। (प्रेरितों के काम 9)

मत्ती ईसोपदेश 17 : 14 - 20

एक व्यक्ति यीशु के पास आया और उनके सामने घुटनों के बल बैठ गया और कहने लगा

"प्रभु, मेरे पुत्र पर दया करें। वह मानसिक रोगी है और बहुत दुखदायी स्थिति में है। वह हमेशा आग या पानी में गिर जाता है।

मैं उसे आपके अनुयायियों के पास ले गया गया था लेकिन वे उसे ठीक नहीं कर पाए।"

यीशु ने कहा, "उस लड़के को मेरे पास लेकर आओ।"

यीशु ने उस लड़के के अंदर के शैतान को फटकार लगाई। लड़के के अंदर से शैतान बाहर निकाल गया और उसी क्षण लड़का ठीक हो गया।

बाद में अनुयायिओं ने यीशु से पूछा,

"हम शैतान को बाहर निकालने में क्यों असफल रहे?"

यीशु ने उत्तर दिया "क्योंकि तुम्हारा विश्वास मजबूत नहीं था।"

मित्रों के समूह में चंगाई के लिए प्रार्थना का एक तरीका यह है कि हर एक अपने दाएँ हाथ को अपने पास बैठा व्यक्ति के बाएँ कंधे पर रखे। जब यह किया जाता है, तब वह अपने दाएँ हाथ और बाएँ कंधे में.....और अपने दिल में.....और अगर उनके शरीर का कोई अंग अस्वस्थ हैं, तो शरीर के उस भाग में एक गरमाहट महसूस करतें हैं। सिर्फ दो लोगों की अपेक्षा समूह में प्रार्थना करने से अधिक उपचार होता है।

समूह में प्रार्थना करना हमेशा सुविधाजनक नहीं होता, परन्तु यह अधिक अनुशंसित है। सोचिए दायाँ हाथ..... यीशु का हाथ है।

लूका ईसोपदेश 7 : 11 - 17

एक दिन यीशु और उनके मित्र नाइन के शहर गए,
वे शहर में प्रवेश ही कर रहे थे कि एक मृत व्यक्ति
को दफनाने के लिए ले जाया जा रहा था,
अपनी माँ का एकमात्र पुत्र, और वह विधवा थी।
जब यीशु ने उसे देखा, उनका दिल उसपर पसीज गया
“रोओ मत” यीशु ने उससे कहा
तब उन्होंने उस प्रक्रिया को रोक दिया और मृत शरीर
से कहे “युवा व्यक्ति, मैं तुमसे कहता हूँ, उठ खड़े हो!”
मृत व्यक्ति उठ बैठा और बातें करने लगा,
और यीशु ने उसे उसकी माँ को लौटा दिया।

उपचार के लिए सबसे उत्तम प्रार्थनाओं में प्रार्थना है
"प्रभु की प्रार्थना", "ऐ हमारे पिता"

हमे इसे धीरे और सावधानी से बोलना चाहिए,
ना कि जल्दी से।

हमे यह स्मरण रखना होगा कि हम क्यों
"हमारे पिता" कहते है ना कि "मेरे पिता"
क्योंकि यीशु, पिता का प्रिय पुत्र हमारा भाई,
हमारे साथ प्रार्थना कर रहा है!।

तो, अगर हम प्रार्थना कर रहे हैं,
आदम के लिए जो बीमार है,
मैं प्रार्थना कर सकता हूँ :

यीशु कृपया आदम को अच्छा कर दें।
कृपया उसे दोबारा जल्द ही स्वस्थ कर दीजिए।
यीशु, आदम के लिए अब मैं प्रार्थना करता हूँ
आपके साथ :

हमारे स्वर्गीय पिता सब आपको प्रेम और आदर दें। आपका राज्य आए। स्वर्ग की तरह ही आपकी इच्छा की पूर्ति पृथ्वी पर भी हो। आज के इस पर्याप्त भोजन के लिए आपका धन्यवाद। हमें वैसे ही क्षमा करें जैसा हम दूसरों को करते हैं। परीक्षा के समय हमें बचाएं। हमारी शैतान से रक्षा करें।

लूका ईसोपदेश 17 : 11 - 19

एक दिन यीशु एक गाँव में प्रवेश कर रहे थे, दस कोढ़ी व्यक्तियों ने उन्हें पुकारा "हे यीशु! हे स्वामी! हम पर दया करो।" यीशु ने सामान्य सा उत्तर दिया "जाओ और अपने आप को पादरी को दिखाओ।" और जैसे ही वे गए वे कोढ़ से मुक्त हो गए। उनमें से एक खुशी के मारे वापस यीशु के पास आया। उसने अपने आपको यीशु के पैरों में गिरा दिया और उन्हें धन्यवाद दिया। लेकिन यीशु दुखी हो गए क्योंकि अन्य नौ ने वापस आने और धन्यवाद करने की जरूरत नहीं समझी।

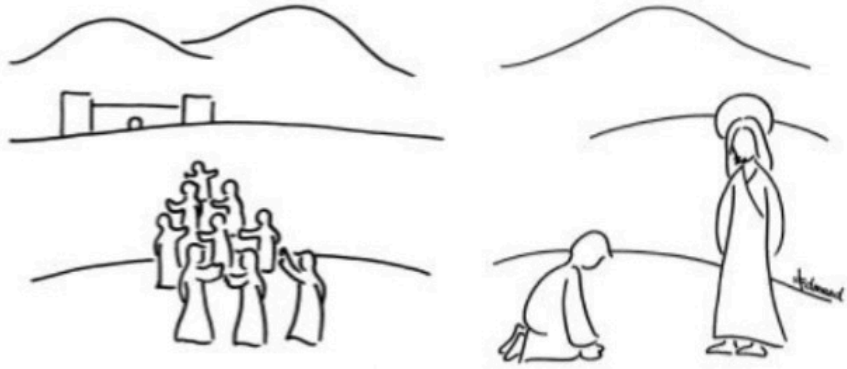

कभी कभी बीमार व्यक्तियों को अपने बीमारियों के बारे में - चिकित्सा कर्मचारियो से, परिवार से, नजदीकी मित्रों से बात करना चाहिये। परन्तु कभी कभी बीमार लोग बहुत लोगों से अपनी बीमारी के बारे में बहुत बाते करते हैं। हर समय वह जब वह ऐसी बातें करते हैं, वे अपने बीमारी को और स्थाई करते हैं। बेहतर यह होगा के हम बीमारी की जितना हो सके उपेक्षा करें बीमारी के बारे कम और यीशु के बारे में अधिक सोचें, महान उपचारक के बारे ज्यादा सोचें।

(*गॉड एट इवेनटाइड से उल्लिखित*, 20 जुलाई)

18 फरवरी, 2012 : एक निवासी क्वीन एलिज़ाबेथ अस्पताल में मे नशीले-पदार्थ से संबंधित अपने दाएं पैर की जांघ में गंभीर सूजन के कारण था।
18 फरवरी को "डॉक्टर जीज़स" पुस्तक प्राप्त करने के बाद, उस रात उसने यीशु से सहायता मांगी।

अगले दिन उनका सूजन आश्चर्यजनक ढंग से बेहद कम हो गया था। अगले दिन सूजन पूरी तरह से चला गया। उसे ऐसी परेशानी अपने बायें पैर के साथ भी कुछ महीने पहले थी। वही अस्पताल, वही दवा.....लेकिन सूजन कम होने में पैर को लगभग एक महीना लग गया, और दाएँ पैर सिर्फ दो दिनों में, उस व्यक्ति ने इस भेद का कारण यीशु से प्रार्थना करने को बताया।

जब मरिया गर्भवती हुई, उसकी सास ने उससे कहा, "अगर बेटी हुआ तो मेरा बेटा तुम्हें तलाक दे देगा।" मरिया डर से गयी। कोई आश्चर्य नहीं हुआ कि उसका बच्चा बीमार पैदा हुआ, एक बीमारी जिसे ठीक करने में डॉक्टर भी असफल थे। एक पादरी ने मरिया से प्रार्थना करवाया, "यीशु कृपया मेरी सहायता कर मेरी सास को माफ करने में।" कुछ ही दिनों में वह बच्चा ठीक हो गया। क्षमा करना, विशेष रूप से उन लोगों को क्षमा करना है जो हमारे साथ निर्दय थे, अक्सर अच्छाई लाती है। यीशु कृपया मेरी सहायता उन लोगों को माफ करने में करें जिन्होंने हमारे साथ निर्दय व्यवहार किया।

लूका ईसोपदेश 18 : 35 - 43

जब यीशु यरीहो के शहर में प्रवेश कर रहे थे, एक अंधा भिखारी सड़क के किनारे बैठा था, जब अंधे व्यक्ति ने यह सुना कि यीशु वहां से गुजर रहे हैं, तो उसने पुकारा "यीशु! दाउद के पुत्र, मेरे ऊपर दया करो!" कुछ लोगों ने उसे चुप रहने को कहा, लेकिन वह और जोर से पुकारने लगा "दाउद के पुत्र, मेरे ऊपर दया करो!" यीशु ने उससे पूछा "तुम क्या चाहते हो" व्यक्ति ने उत्तर दिया "महोदय, मैं दोबारा देखने लगूं।" यीशु ने उससे कहा "अपनी दृष्टि वापस प्राप्त करो; तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचा लिया।" उसी क्षण उसकी दृष्टि वापस आ गई, और वह ऊंचे स्वर में ईश्वर का धन्यवाद करते हुए, रास्ते भर यीशु के पीछे चलता रहा।

डॉक्टरों का सम्मान करो। उपचार करने का उनका कौशल परमेश्वर की ओर से दिया हुआ उपहार है। परमेश्वर ने हमें पृथ्वी पर दवाईयां दी है, और समझदार लोग कभी भी उसका तिरस्कार नहीं करते।
(Sirach 38: 1-4)

कभी कभी लोग कहते है "मुझे प्रार्थना करना नहीं आता।" कोई परेशानी नहीं, प्रार्थना एक संवाद हैं। प्रार्थना सिर्फ यीशु से बात करना है जैसे हम एक मित्र से करते है। ज्यादा शब्दों की जरूरत नहीं। यीशु जानते है हमारे ह्रदय में क्या है। यीशु बहरे नहीं है। बस हमें केवल उन्हें याद करने की जरूरत है। सरल विश्वास से बात करें, जैसे एक बच्चा अपने माता या पिता से बात करता है।

यीशु, मुझे प्रार्थना करने में सहायता कर,
आपसे बात करने में सहायता करें!

मत्ती ईसोपदेश 20 : 29 - 34

एक बार जब यीशु यरीहो के शहर से बाहर निकल रहे थे, दो अंधे व्यक्ति सड़क के किनारे, जब उन्होंने सुना कि यीशु वहां से गुजर रहे हैं, वे चिल्लाने लगे "हे प्रभु, दाउद के पुत्र, हम पर दया करो।"

नजदीक के लोगों ने उन्हें डांटा और कहा कि चुप रहो, लेकिन वह और जोर से चिल्लाने लगे "हे प्रभु, दाउद के पुत्र, हम पर दया करो।" यीशु रुके, और उन्हें बुलाया और कहा, "तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूं" उन्होंने उनसे कहा "प्रभु, हमारी दृष्टि प्रदान कर दें।" यीशु को उनपर दया आ गई और उनकी आँखों को छुआ। और तत्काल ही उनकी दृष्टि वापस आ गई और वे रास्ते भर उनके पीछे चलते रहे।

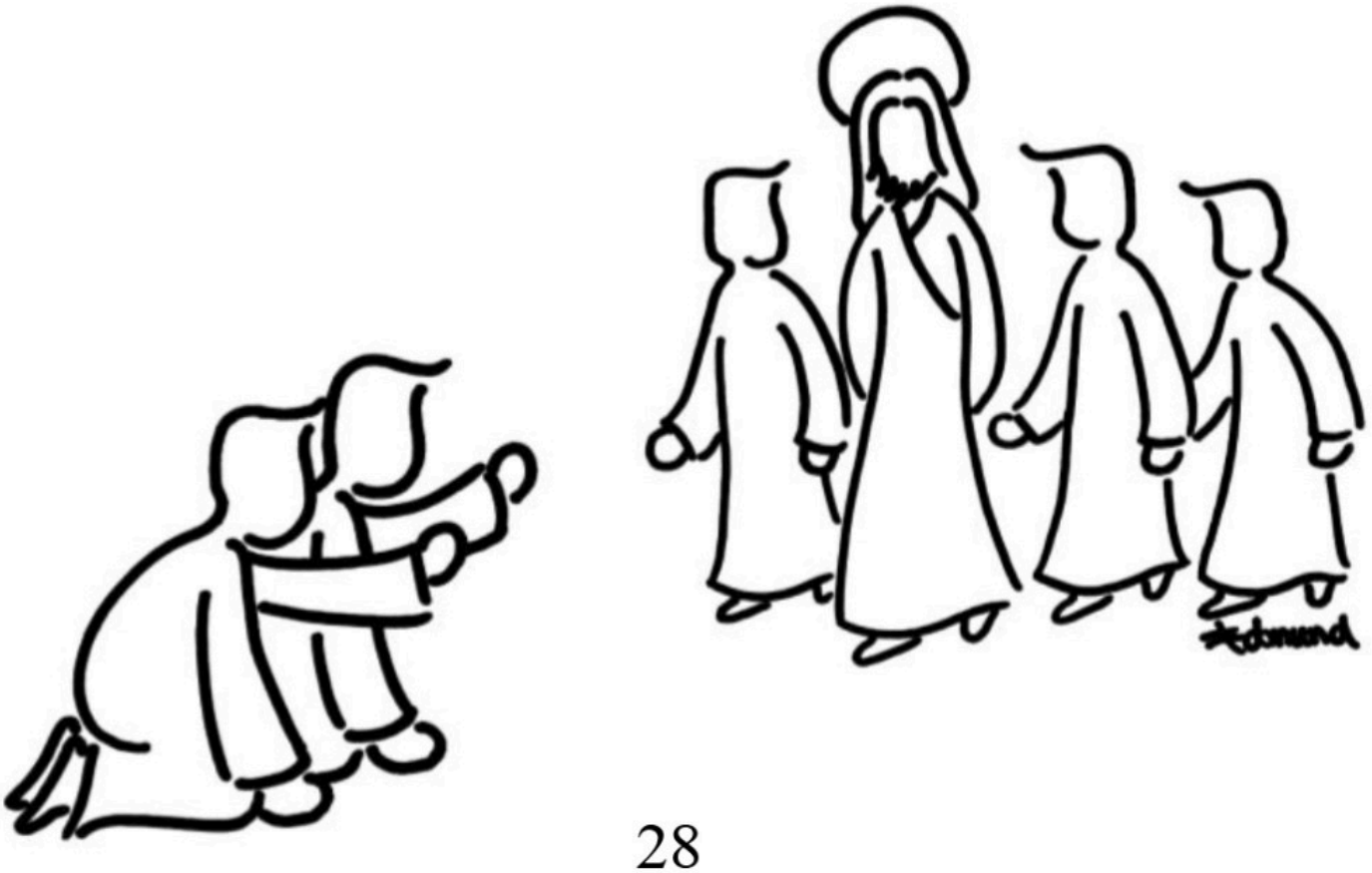

"हाथों को फैला कर" उपयोग होने वाला एक अच्छा प्रार्थना : आशा है यीशु (..नाम..) तेरे प्यार को अपने हृदय में महसूस कर सके। आशा है कि तेरा प्यार इन्हें शरीर, दिमाग और आत्मा में आशा, साहस, क्षमा, शांति और उपचार प्रदान करे।

मत्ती ईसोपदेश 21 : 12 - 14

जैसे ही यीशु ने यरुशलेम में प्रवेश किया, लोगों ने उनका स्वागत ताड़ की शाखाओं को हिला कर किया। यीशु मंदिर में गए और पैसे बदलने वालों तथा कबूतर बेचने वालों को बाहर ले आए। अंधे और अपाहिज लोग यीशु के पास आए और यीशु ने सभी को ठीक कर दिया।

कभी कभी एक बीमारी हमारे परिवार के इतिहास में किसी चीज या किसी व्यक्ति से जुड़ी होती है। यह मामला तब होता है जब एक ही परिवार के एक से ज्यादा लोग को एक ही बीमारी होती है। यीशु इतिहास और समय का प्रभु है। वह हमारे परिवार रूपी वृक्ष को शांति और उपचार प्रदान करता है। डॉक्टर केन्नथ मैक्आल द्वारा दो उत्तम पुस्तकें:
-हिलिंग दा फैमली ट्रि। -ए गाइड टु हिलिंग फैमली ट्रि।

यीशु, अगर कोई व्यक्ति या स्थिति मेरे परिवार वृक्ष में अभी तक 100% शान्ति में नहीं है, तो इतिहास के प्रभु, मै अभी तुझसे माँगता हूँ कि तुम वापस उस समय में जाओ और उस व्यक्ति या स्थिति को शांति दो। अपने परिवार वृक्ष के लिए मै तुम्हारे साथ प्रार्थना करता हूँ :
हे स्वर्ग में हमारे पिता.....

हमारे परिवार वृक्ष के लिए प्रार्थना की आवश्यकता के बारे एक कहानी :

चीन की एक 50 वर्षीय महिला पार्किंसंस नामक गंभीर रोग से पीड़ित थी। दिन के 24 घन्टों वह अपने आप को कांपने से नहीं रोक पाती। वह सो नहीं पाती थी। वह और उनके पति बहुत पैसे खर्च कर रहे थे, परन्तु चीन और पश्चिमी दवा उनकी सहायता नहीं कर पा रही थी।

तब उनके पति ने एक पादरी की मदद ली। उस पादरी ने बहुत ही आदर भाव से उन पति-पत्नी से उनके परिवार वृक्ष के बारे पूछा: क्या हाल में उनके परिवार के किसी के साथ कोई दुखद घटना हुई है - जैसे आत्महत्या, गर्भपात, घातक मार्ग दुर्घटना आदि। शायद कोई अभी तक 100% शांत नहीं है, और प्रार्थना की जरूरत है।

तब जोड़े गर्भपात हो चुका है। उनका दूसरा बच्चा होने के बाद, उन्होंने ने कहा कि उनका पहला बच्चा होने से पहले दो फिर दो गर्भपात किया। उस पादरी ने उन से कहा कि चारों बच्चों का नाम रखे, दो लड़के और दो लडकियों के नाम का उपयोग करके (क्योंकि बच्चों के लिंग पता नहीं था) उस पादरी ने उस जोड़े की मदद की अपने बच्चों से माफी मांगने में, और उन अस्पताल कर्मचारियों आदि को क्षमा करने के लिए।

पादरी ने उस जोड़े का सहायता किया यीशु से उन बच्चों को 100% शांन्ति के लिए, और वह माता-पिता एक दिन अपने बच्चों के साथ स्वर्ग में रहेंगे। कुछ दिनों के ऐसे ही प्रार्थना के बाद, उस महिला की कांपना लगभग पूरी तरह से चला गया।

लूका ईसोपदेश 22 : 50 - 51

यीशु जानते थे कि वे शीघ्र ही मृत्यु को प्राप्त होंगे, उन्होंने अपना अंतिम भोजन मित्रों के साथ किया, और फिर समीप के बगीचे में प्रार्थना करने के लिए गए। जबकि वे प्रार्थना कर रहे थे लोगों का जत्था उन्हें गिरफ़्तार करने पहुंचा। यीशु को गिरफ़्तार करने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति का दायाँ कान अपनी तलवार से काट दिया। यीशु ने तुरंत पतरस से अपनी तलवार को दूर रखने के लिए कहा। फिर यीशु ने उस व्यक्ति के कान को छुआ और उसे ठीक कर दिया।

यीशु तब तक लोगों को उपचारित करते रहे जब तक वह गिरफ्तार नहीं कर लिए गए। वह उपचारित करना रोक नहीं पा रहे थे। उनका हृदय हर उस व्यक्ति पर विचलित हो जाता था जिसे कभी उन्होंने बीमार देखा था। आज भी वही यीशु का हृदय बीमार व्यक्तियों के लिए करुणा से भर जाता है। उनका हृदय चाहता है कि वह अच्छे हो जाएं। यीशु से ज्यादा कोई भी एक मरते हुए बच्चे का शोक नहीं करता। हमारी दुनिया ने यीशु के प्रेम के उपचार को पुनः खोजना बस आरंभ ही किया है।

यीशु, कृपया अपने प्रेम के उपचार में मेरे विश्वास को बढ़ाएँ।

हर सप्ताह सुधार गृह में, प्रार्थना सुने जाने की अनेक कहानियाँ हैं - जैसे कि यह :

23 मार्च, 2012 : एक निवासी अपने बड़े भाई जो अफ्रीका में है, उनके लिए प्रार्थना करने को कहा। बड़े भाई "मौत के करीब थे"। बहुत से सहवासियों ने उनके बड़े भाई के लिए प्रार्थना की। लगभग एक सप्ताह बाद यह खबर प्राप्त हुई कि "बड़े भईया स्वस्थ और ठीक है।" सहवासियों ने उसी विशेष वाक्य से धन्यवाद किया : "प्रभु महान है।"

बहुत समय पहले यीशु ने जिन लोगों को ठीक और उपचारित किया था उन सभी को वह आज नाम से जानते है। यीशु के प्रेम का उपचार आज भी वैसा ही है जैसा पहले था। यीशु के प्रेम उपचार एक दिव्य वेबसाइट की तरह है जहाँ कोई भी, घर से, अस्पताल, या कहीं से भी पहुंच सकता है। इस वेबसाइट में प्रवेश करने के लिए एक सामान्य प्रार्थना की आवश्यकता है : "यीशु कृपया मेरी मदद कर। यीशु मुझे अच्छा कर दे।"

यह सभी छोटी पुस्तक और उपचार के बारे में अन्य कहानियां और जानकारी, www.doctorjesus.org पर प्राप्त की जा सकती है अगर आप उपचार की कोई कहानी www.doctorjesus.org पर डालना चाहते है तो अपनी कहानी jdwomi@gmail.com पर भेजें।

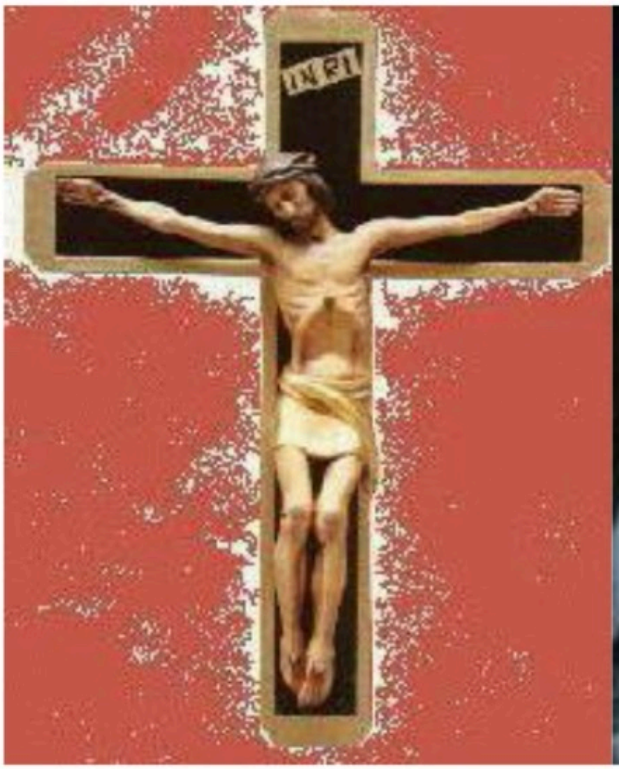

मेरे पास पैर नहीं है।
स्वर्ग में तुम्हारे पास दो पूरे पैर होंगे।

मैं अन्धा और बहरा हूँ।
स्वर्ग में तुम देख और सुन पाओगे

मेरा पूरा शरीर आग में झुलस गया है
स्वर्ग में तुम्हारा शरीर सुन्दर होगा।

मै दाऊँनस रोग का समावेश के साथ पैदा हुआ,
मुझे मल्टीपल स्केलेरोसिस है।
स्वर्ग में तुम पूरी तरह से स्वस्थ होंगे।

क्रूस पर यीशु के शरीर पर घाव के निशान थे।
तीन दिन बाद, उनका जीवित शरीर इतना सुन्दर था
कि उनके मित्र पहले उन्हें पहचान नहीं पाए।

लोग गंभीर शारीरिक और मानसिक रूप से अपाहिज
स्वर्ग में पुरी तरह से सुन्दर होंगे- बिलकुल यीशु की तरह।

यीशु 2000 वर्ष पहले आपने बीमार लोगों को ठीक किया:-
गूंगों, बहरे, अन्धों, लंगड़ों, लकवे के मारे तथा कोढ़ियों को।

शताब्दियों से और हमारे समय में, जब लोगों ने
आपसे प्रार्थना की आपने लोगों को ठीक कर दिया।

यीशु मै बीमार हूँ, कृपया मुझे ठीक करें।
यीशु कृपया मेरे बीमार मित्रों को ठीक करें।

पिछले तीन महीने से मुझे सीने में भयानक दर्द हो रहा था, कोई भी दवा मेरी सहायता नहीं कर पा रही थी। फिर एक रात "डॉक्टर जीज़स" नामक पुस्तक पढ़ने के बाद मैंने यीशु से प्रार्थना में सहायता मांगी। अगली सुबह और कोई दर्द नहीं था।
- हाँग काँग सुधार गृह का सहवासी, 11 नवंबर 2011।

लोग जिन्हें "डॉक्टर जीज़स" नामक पुस्तक से सहायता मिला है वह एक साधारण बाईबल से भी सहायता पा सकते हैं।
- मुद्रित प्रतियां अंग्रेजी और चीनी भाषा में उपलब्ध है
- इंटरनेट पर www.simplebible.info पर उपलब्ध है।

Illustrations : Edmund
ISBN 978-988-12396-4-8
First edition, April 2014
Printed in HK by Print Shop www.printshop hk
For private distribution only. Not for sale
Published in Hong Kong
by Fr. John Wotherspoon OMI 胡頌恆神父
Email : jdwomi@gmail.com Tel : (852) 67095674
This book is available in Chinese & English
God bless the kind friends who produced this book